

नगर विकास योजना का मूल्यांकन

कोयम्बतूर

जुलाई 2006



राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

कोर 4 बी, भारत पर्यावास केन्द्र
लोधी रोड नई दिल्ली 110003

किसी प्रकार की शंका होने पर कृपया सुश्री उषा रघुपति से ई मेल से संपर्क करें (email: uraghupathi@niua.org)

नगर विकास योजना का मूल्यांकन: कोयंबतूर

टिप्पणी 1 : शहर के लिए संकल्पना का सीडीपी में उल्लेख नहीं किया गया है।

नगर का उत्तर:

संकल्पना :

सुव्यवस्थित विकास और समृद्धि के ढांचे के अंतर्गत अनवरत शहरी पर्यावरण और आर्थिक विकास समुदाय को अनिवार्य सेवाओं की कारगर और किफायती प्रदायगी सुलभ करना।

कोयंबतूर के लिए नगर विकास योजना जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी कायाकल्प अभियान (नुर्म) के टूलकिट के अनुपालन में शहर और शहरी आबादी की वर्तमान और भावी आधार संरचना जरूरतों के अनुसार बेहतर सेवा स्तरों की संकल्पना के साथ तैयार की गई है। भविष्य की संकल्पना भौतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आधार संरचना की जरूरतों के संदर्भ में विभाजित है।

नगर की संकल्पना कोयंबतूर के नागरिकों के लिए बेहतर सेवा स्तर और बेहतर जीवन की गुणवत्ता हासिल करने की है। इस संकल्पना को ध्यान में रख कर विशिष्ट लक्ष्य और सेवा परिणाम तैयार किए गए हैं जो पूर्ण रिपोर्ट के अध्याय 8 में दिए गए हैं :-

तालिका: लक्ष्य और सेवा परिणाम

ए: जल-आपूर्ति

क्रम सं.	लक्ष्य	2006	2008	2011	2016	2026
1.	सभी परिवारों हेतु नेटवर्क कवरेज	83%	87%	90%	100%	100%
2.	स्लम परिवारों हेतु नेटवर्क कवरेज	5%	50%	90%	95%	100%
3.	प्रति व्यक्ति जल आपूर्ति	135 लीटर प्रति व्यक्ति दैनिक	135 लीटर प्रति व्यक्ति दैनिक	135 लीटर प्रति व्यक्ति दैनिक	135 लीटर प्रति व्यक्ति दैनिक	135 लीटर प्रति व्यक्ति दैनिक
4.	24/7 जल आपूर्ति	0%	5%	10%	40%	90%
5.	जल की क्वालिटी	स्वच्छ-पेय	स्वच्छ-पेय	स्वच्छ-पेय	स्वच्छ-पेय	स्वच्छ-पेय
6.	मुफ्त (गैर-राजस्व) जल	25%	23%	20%	15%	15%

बी. सीवरेज़

क्रम सं.	लक्ष्य	2006	2008	2011	2016	2026
1.	सभी परिवारों हेतु नेटवर्क कवरेज	23%	60%	90%	100%	100%
2.	स्लम परिवारों हेतु नेटवर्क कवरेज	5%	35%	60%	100%	100%
3.	शोधन व निपटान	23%	60%	90%	100%	100%
4.	पुनरावर्तन व पुनःप्रयोग	0%	10%	20%	40%	50%

सी. बरसाती पानी के नाले व तालाब

क्रम सं.	लक्ष्य	2006	2008	2011	2016	2026
1.	बरसाती नाला दायरा (सड़क लम्बाई का %)	92%	95%	100%	130%	150%
2.	मौजूदा नालों व तालाबों का पुनरुद्धार	0%	50%	100%	100%	100%
3.	तालाबों का स्थानीय जल स्रोत के रूप में उपयोग	0%	10%	30%	40%	50%

डी. कचरा निपटान व्यवस्था

क्रम सं.	लक्ष्य	2006	2008	2011	2016	2026
1.	घर-घर से कूड़ा संग्रह	20%	80%	80%	100%	100%
2.	कूड़े की यंत्रीकृत संग्रह व्यवस्था	10%	80%	80%	100%	100%
3.	वैज्ञानिक निपटान	0%	80%	80%	100%	100%
4.	कूड़े से बिजली उत्पादन	0%	30%	50%	90%	100%

ई. यातायात व परिवहन

क्रम सं.	लक्ष्य	2011	2016	2026
1.	सड़क लम्बाई (वर्ग कि.मी.)	8 वर्ग कि.मी	10वर्ग कि.मी	15वर्ग कि.मी
2.	औसत यात्रा/अवधि (घंटे)	35%	45%	45%
3.	पार्किंग व राइडिंग सुविधा	40%	60%	60%
4.	पार्किंग (माँग पर पूर्ति का %)	40%	70%	100%
5.	वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल	25%	40%	60%

एफ. पथ प्रकाश

क्रम सं.	लक्ष्य	2011	2016	2026
1.	ऊर्जा बचत युक्तियाँ	80%	100%	100%
2.	अंधेरे क्षेत्रों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था	80%	100%	100%

जी. गरीबों हेतु बुनियादी सेवाएँ

क्रम सं.	लक्ष्य	2011	2016	2026
1.	स्लम परिवारों हेतु नेटवर्क कवरेज	90%	95%	100%
2.	स्लम परिवारों को भूमिगत सीवरेज निकासी कवरेज	60%	100%	100%
3.	पर्याप्त प्रकाशित स्लम	100%	100%	100%
4.	स्लमों हेतु सड़क व्यवस्था	100%	100%	100%
5.	सभी स्लम परिवारों को पक्के मकान	80%	100%	100%
6.	स्लमों में शिक्षा प्रसार	100%	100%	100%

टिप्पणी 2 : रिपोर्ट में परामर्शगत नागरिक समूहों, जन प्रतिनिधियों तथा ऐसे विचार विनिमयों की संख्या और बारम्बारता का उल्लेख नहीं है। रिपोर्ट से यह भी जाहिर नहीं है कि इन विचार-विनिमयों के परिणामों को कार्यनीति तैयार करते समय और कार्यनीति के प्राथमिकता क्रम निर्धारण में शामिल किया गया था।

नगर का उत्तर:

शहर में आधार ढांचा सुविधाओं के सुधार और आवश्यकता पर राय जानने के लिए नगर निगम ने सरकारी विभागों, प्रबुद्ध नागरिकों, नगर के गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य सामाजिक समूहों के साथ 1998 में बैठकों और परामर्शी कार्यशालाओं का सिलसिला शुरू कर दिया था। वर्ष 1999 में तैयार नगर निगम योजना, जिसे तमिलनाडु अर्बन डेवलपमेंट प्रोजेक्ट से धन मिला था, इस रिपोर्ट की बेस लाइन है। जनता की भागीदारी से संकल्पना के लक्ष्यों के निर्धारण में मदद मिली है जिनमें से नीचे लिखे लक्ष्य मुख्य हैं :-

शहरी शासन

एक ऐसा सुसंगत संगठन विकसित करना जो समुदाय की आशाओं और जरूरतों को समझ सके तथा समाज की कारगर व्यवस्था में सहयोगकारी इष्टतम सेवा स्तर सुलभ कर सके।

म्यूनिसिपल वित्त

कोयम्बतूर शहर की दीर्घकालीन और अल्पकालीन जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रमाणित वित्तीय आकलन तकनीकों, जैसे वित्तीय एवं परिचालन योजना अपनाकर संगठन के संसाधनों की व्यवस्था करना जो नगर कार्य योजना के अनुरूप हो।

अर्थव्यवस्था

नगर की आबादी में विद्यमान उद्यमी कौशलों का दोहन करके तथा रिहायश और कारखानों की साथ-साथ मौजूदगी को बढ़ावा देकर वस्त्र उद्योग और इंजीनियरी उद्योग को मदद देते हुए कोयम्बतूर शहर को साफ्टवेयर इन्डस्ट्री के लिए मुख्य रिजनल सेन्टर (हाइटेक सेन्टर) के रूप में विकसित करना।

भू-उपयोग

शहर में चहल-पहल लाने के लिए युक्तिसंगत भू-उपयोग योजना की मार्फत शहर के आसपास अच्छे जीवन पर्यावरण का निर्माण और रखरखाव।

परिवहन

शहर की आबादी के लिए कुशल परिवहन योजना उपायों की मार्फत सुरक्षित और तेज आवागमन सुनिश्चित करना, जिसमें पैदल पथिकों के लिए भी सुरक्षित आवागमन मिले तथा जोखिम मुक्त पर्यावरण की गारंटी हो।

बुनियादी सेवाएँ

शहर के नागरिकों की सामाजिक आर्थिक और पर्यावरण जरूरतों को पूरा करने के लिए जल-आपूर्ति, सीवरेज और कचरा निपटान आदि बुनियादी सेवाओं की कुशल और कारगर व्यवस्था करना।

शहरी पर्यावरण

शहर में पर्यावरण संरक्षा प्रयासों में सहयोग और मदद करना जिसके अंतर्गत विवेकपूर्ण, एकीकृत और प्रगामी योजना उपायों के जरिए कोयम्बतूर शहर के लिए स्वच्छ और आबो-हवा सुनिश्चित हो सके।

प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी

सार्वजनिक सेवाएँ मुहैया कराने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को सुगम बनाना।

सामुदायिक विकास

शहर में जीवन की गुणवत्ता, रहन-सहन के माहौल तथा नागरिक सेवाओं के स्तर उन्नयन के प्रयासों में मदद देने के लिए समाज के लोगों को भागीदार बनाना।

विरासत और संरक्षण

कोयम्बतूर शहर की सम्पन्न सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण और संरक्षण करना और इस हेतु निवारक उपायों द्वारा मानवीय दखलअंदाजी पर अंकुश लगाना।

आमोद-प्रमोद

नागरिकों की आमोद-प्रमोद गतिविधियों में सहयोग करने के लिए मनोरंजन सुविधाओं का विकास और प्रोत्साहन।

सीडीपी तैयार करते समय परामर्शी फर्म के विशेषज्ञों ने शहर का निरीक्षण किया तथा निगम पदाधिकारियों और हितबद्ध पक्षों के साथ बैठकें कीं और कार्यशालाओं का आयोजन किया। 22 फरवरी 2006, 4 अप्रैल 2006 और 5 जुलाई 2006 को आयोजित परामर्शी कार्यशालाओं के दौरान प्राप्त टिप्पणियों और सुझावों को सीडीपी रिपोर्ट में शामिल किया गया, जिससे शहर के लिए निवेश राशियों के प्राथमिकता क्रम के निर्धारण में मदद मिली। इन बैठकों के कार्यवृत्त अंतिम रिपोर्ट में हैं।

नगर को 4 ज़ोनों में बांटा गया है यथा उत्तरी ज़ोन, दक्षिणी ज़ोन, पश्चिमी ज़ोन और पूर्वी ज़ोन और प्रत्येक ज़ोन में 18 वार्ड हैं। कोयम्बतूर नगर निगम के महापौर जनता और पार्षदों के साथ जोनल स्तर पर साप्ताहिक बैठकें करते हैं ताकि उनके वार्डों की समस्याओं और मुद्दों पर विचार किया जा सके और समाधान निकाला जा सके।

टिप्पणी 3 : जन्मजात वृद्धि, आवासन तथा क्षेत्राधिकार परिवर्तनों के कारण जनसंख्या वृद्धि का अनुपात नहीं दिया गया है। म्युनिसिपल क्षेत्र के विस्तार की प्रवृत्ति नहीं दी गयी है। सीडीपी में नगर के आसपास के क्षेत्र की आबादी और कुल क्षेत्रफल तथा उसके वर्ष-दर-वर्ष विस्तार का उल्लेख नहीं है।

नगर का उत्तर:

कोयम्बतूर के स्थानीय योजना क्षेत्र में 14 देहाती गाँव हैं। इसका कुल क्षेत्रफल 2001 में 1287 वर्ग किलोमीटर है। इस क्षेत्र में जनसंख्या की वृद्धि नीचे की तालिका 1 में है:-

तालिका: कोयम्बतूर के स्थानीय योजना क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि का कालक्रम

वर्ष	1961	1971	1981	1991	2001*
जनसंख्या	7.93	10.12	12.4	14.35	16.95
जनसंख्या वृद्धि %	-	27.62	22.53	15.73	18.12

नोट: *प्रायोजित

कोयम्बतूर स्थानीय योजना क्षेत्र के अंतर्गत 14 देहाती गांवों का ब्यौरा तालिका 2 में है। इसके अनुसार कुरिची नगरपालिका में सबसे अधिक आबादी अर्थात् 77.853 है। दूसरे नं. पर 58,900 की आबादी वाली कुनीयामुथुर नगरपालिका है। शेष गांवों की आबादी 6,477 से 48,276 के बीच है।

तालिका: कोयम्बतूर योजनाक्षेत्र (2001) में देहाती गाँव

गाँव	क्षेत्रफल वर्ग कि.मी. में	जनसंख्या
कावुंदामपलायन नगरपालिका	8.55	48,276
वडावल्ली टी.पी	12.84	24,779
वेल्लकीनार टी.पी	9.10	9,772
सरवनमपट्टी टी.पी	11.76	17,737
विल्लनकुरिची	10.02	9,124
इरुगुर टी.पी	20.69	18,622

वेल्लालूर टी.पी	16.18	17,340
चिन्नवेदमपट्टी टी.पी	16.32	10,981
पट्टनम पंचायत	10.55	6,477
कुरुची नगरपालिका	15.84	77,853
कुनियमुथुर, नगरपालिका	11.73	58,900
पेरूर टी.पी	11.18	12,932
वेदपट्टी टी.पी	6.14	9,732
वीराकेरलम टी.पी	8.99	19,994
कुल	169.88	342,519

स्रोत: कोयम्बतूर नगर निगम

शहर के सीमांत इलाकों में शहरीकरण मुख्यतः क्षेत्रगत औद्योगिक गतिविधियों के कारण है। आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय (1999) के अनुसार कोयम्बतूर जिले में 36,579 उद्योग धंधे हैं, जिनमें से 2462 उद्योग नगर सीमाओं के अंदर हैं जो जिले की कुल औद्योगिक इकाइयों के 6% ठहरती है।

नया औद्योगिक विकास व्यापक तौर पर निगम की सीमाओं के बाहर है। अतः आवासन के कारण आबादी वृद्धि का शहरी जनसंख्या पर कोई बड़ा असर नहीं है।

जनसंख्या वृद्धि के अनुमान जनगणना रिकार्ड से प्राप्त पिछले रूझानों पर आधारित है। निगम क्षेत्र में सन् 1981 से कोई परिवर्तन नहीं हुआ है अर्थात् वह 105.42 वर्ग कि.मी. ही है।

ब्यौरे के लिए अध्याय 4 देखें।

टिप्पणी 4: नगर विकास योजना में उद्योगों की संख्या और प्रकार, उद्योगों और विभिन्न सेवाओं में रोजगार तथा अर्थव्यवस्था में उनके योगदान का भी उल्लेख नहीं है। ये नगर अर्थव्यवस्था में अग्रणी सेक्टर की वृद्धि दर प्रमाणित करने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। नगर अर्थव्यवस्था में औपचारिक सेक्टर (सरकारी सेक्टर) की भूमिका तथा योगदान का भी उल्लेख नहीं है।

नगर का उत्तर:

कोयम्बतूर की समृद्धि विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों के कारण लगातार बनी हुई है, जिनमें से वस्त्र उद्योग सबसे ऊपर है जिसने क्षेत्र के औद्योगिक परिदृश्य में क्रांति पैदा कर दी है। यह क्रांति 19वीं शताब्दी के अंत में उस समय शुरू हुई जब वहाँ पहली औद्योगिक मिल स्थापित हुई थी।

कोयम्बतूर जिले में 36,579 औद्योगिक इकाइयाँ हैं जिनमें से 2462 इकाइयाँ (138 बड़े पैमाने के उद्योग, 1082 मध्य दर्जे के उद्योग तथा 1242 छोटे उद्योग शामिल हैं, कोयम्बतूर की नगर निगम सेवाओं के अंतर्गत हैं। ये उद्योग कुल नगर निगम क्षेत्र के 6% हिस्से पर मौजूद हैं। अनेक छोटे और भारी इंजीनियरी उद्योग मैट्टा लव पलायम और अविनाशी रोड के आसपास स्थापित हैं।

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार 38.49% आबादी श्रमिकों की है जिसमें पिछले दशक की तुलना में 4% की वृद्धि हुई है। करीब 90% श्रमिक आबादी टैरशरी सेक्टर में है। उसके बाद सेकेन्डरी सेक्टर से 5% की वृद्धि दर्ज हुई है। (देखिए अध्याय 2 पैरा 41)

तालिका: श्रमशक्ति की भागीदारी

क्रम संख्या	लक्ष्य	1981	2001
1.	जनसंख्या	8,06,321	9,30,882
2.	प्राथमरी सेक्टर	8,962	6,507
3.	सेकेन्डरी सेक्टर	11,220	15,340
4.	टैरशरी सेक्टर	2,10,348	319,916*
5.	गैर-श्रमिक		5,72,628
6.	कामगार भागीदारी दर	32.72%	38.90%

नोट:* इसमें पशुधन, खनन, एच.एच व इंडस्ट्री तथा टैरशरी सेक्टर के आंकड़े शामिल हैं।

अनौपचारिक सेक्टर का नगर की अर्थव्यवस्था में खासा योगदान है - इंजीनियरी उद्योगों की अनेक सहायक इकाइयां अनौपचारिक सेक्टर में हैं।

टिप्पणी 5: प्रायवेट सेक्टर की सेवा-प्रदायगी में भागीदारी, यदि कोई है, तो उसका रिपोर्ट में उल्लेख नहीं है।

नगर का उत्तर:

इस समय प्राइवेट सेक्टर सेवा प्रदायगी में कोई बड़ी भूमिका नहीं निभाता है। निगम ने स्ट्रीट लाईट के रख-रखाव और संपत्ति कर की वसूली का निजीकरण कर दिया है। निगम द्वारा शुरू किए गए अन्य प्रयास हैं - वेलाल्लोर कम्पोस्ट यार्ड और कचरा बीनने वालों का पुनर्वास (इसे गैर-सरकारी संगठन को सौंप दिया गया है), और साथ ही बोर कूपों का प्रबंध भी निजीकरण में डाल दिया है। निगम की सभी डाक के लिए स्थानीय कूरियर सेवा स्वयं-सहायता समूहों को सौंप दी है। कचरा निपटान व्यवस्था में भी प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी शुरू करने का प्रस्ताव है। नगर की एक एनजीओ सिरूथल्ली बरसाती पानी के संग्रह, नोयाल्ल नदी की बहाली, वृक्षारोपण-पसुमयीपायनम और अन्य निर्माण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। एल एण्ड टी कं. में बनाओ-चलाओ-सौंपो (बी ओ टी) आधार पर कोयम्बतूर बाईपास का निर्माण किया है।

टिप्पणी 6 : राज्य सरकार द्वारा नगर और ग्राम नियोजन अधिनियम 1971 के अधीन 1287 वर्ग कि.मी. में फैले स्थानीय योजना क्षेत्र को अधिसूचित किया है जिसे निगम की सीमा के साथ-साथ नक्शे में दिखाया जाना चाहिए।

नगर का उत्तर

कोयम्बतूर स्थानीय योजना क्षेत्र को दर्शाते हुए एक नक्शा पूर्ण रिपोर्ट में शामिल किया गया है (देखिए रिपोर्ट का पृष्ठ 11)।

टिप्पणी 7 : नगर का पर्यावरणीय विश्लेषण नहीं दिया गया है।

नगर का उत्तर:

जल प्रदूषण

यह नगर नोयाल नदी बेसिन के वाटर शेड विस्तार के अंतर्गत स्थित है और इसमें जलाशयों और नहरों का नेटवर्क है। नगर के अन्तर्गत 18 जलाशय जल भंडारण तथा अंतःस्रवण तालाब का काम करते हैं तथा भू-जल का मुख्य स्रोत हैं। नहरें प्राकृतिक जल प्रवाह हैं जो नगर के बरसाती पानी का प्रवाह करती हैं।

एक स्थानीय गैर-सरकारी संगठन द्वारा नगर के 9 जलाशयों के विश्लेषण से पता चलता है कि अधिकांश जलाशय प्रदूषित हैं। इन जलाशयों को नुकसान पहुँचाने वाले मुख्य कारक हैं : उनमें औद्योगिक विषाक्त पानी तथा घरेलू गंदे पानी का बहाया जाना, जलाशय और नहर के तटवर्ती क्षेत्रों का अतिक्रमण, भूजल का अनाप-शनाप दोहन।

जलाशयों के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार एक मुख्य कारक छोटी औद्योगिक इकाइयों में से अशोधित पानी का प्रवाह किया जाना है, क्योंकि इन औद्योगिक इकाइयों के पास अपनी जल शोधन सुविधाएँ नहीं हैं। बड़े जलाशयों के प्रदूषण के साथ एक तत्काल खतरा जलाशयों और तालाबों के तटों पर असुरक्षित आबादी के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव का है।

इसके अलावा घरेलू और औद्योगिक खपत कर्ताओं द्वारा भूजल के अत्यंत विदोहन के फलस्वरूप भूजल के विषाक्त हो जाने का खतरा है।

वायु-प्रदूषण

कोयम्बतूर में वायु-प्रदूषण के मुख्य कारक वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं निर्माण कार्यों से उत्पन्न धूल। औद्योगिक धुआं मुख्यतः ढलाईघरों तथा लघु उद्योगों से उत्पन्न होता है। अधिकांश बड़े उद्योगों ने तो प्रदूषण नियंत्रक उपकरण जैसे एयर फिल्टर, इलैक्ट्रोईस्टेटिकप्रेसिपीटेटर आदि लगाए हुए हैं लेकिन छोटे उद्योगों में ये उपकरण नहीं लगे हुए हैं। इसके अलावा टी.एस.पी (धुएँ में निमज्जित कणों) तथा कार्बन मोनोआक्साइड से उत्पन्न धुएँ के असर का आंकड़ों के अभाव में सही-सही आकलन नहीं किया जा सकता। तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानीटरिंग व्यक्तिगत उद्योगों के स्तर तक सीमित है और वह भी केवल बड़े उद्योगों के मामले में है।

कचरे और विषाक्त कचरे से उत्पन्न प्रदूषण

प्रदूषण के मुख्य कारणों में घरेलू कूड़े और वाणिज्यिक कचरे की भरमार तथा औद्योगिक कार्यों से उत्पन्न हानिकारक कचरा शामिल है। लेकिन इस कचरे के संग्रह और निपटान के लिए निगम भरसक प्रयास कर रहा है, फिर भी संग्रह और निपटान क्रियाओं की अपर्याप्तता से कचरे का अंबार लगा रहता है।

कचरे के वैज्ञानिक ढंग से निपटान में असमर्थता प्रदूषण की रोकथाम न कर पाने में सबसे बड़ा कारक है। इसके अलावा विषाक्त कचरे और अस्पताल के कचरे का घरेलू कचरे के साथ बिना

छंटाई किए हुए एक साथ निपटान करना स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। मैट्टूपालायम रोड और उक्काडम पर कचरा निपटान की सुविधाएँ नहीं है तथा कचरे को अवैज्ञानिक ढंग से डलाव स्थलों पर डाल दिया जाता है। नगर में कोई सेनिटरी डलाव स्थल नहीं है और जो छोटे-मोटे कूड़ा घर हैं वे रिहायशी इलाकों के नजदीक है जिससे आसपास के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना रहता है।

टिप्पणी 8: जल आपूर्ति की सुविधा में समाहित कुल आबादी तथा स्लम आबादी का अनुपात नहीं बताया गया है। जल आपूर्ति में समाहित क्षेत्र का अनुपात तथा पानी की कुल माँग, आपूर्ति और फलस्वरूप आपूर्ति में कमी (मिलियन लीटर दैनिक) का रिपोर्ट में उल्लेख नहीं है।

नगर का उत्तर:

निगम ने शहर में जल आपूर्ति के 99,615 कनेक्शन लगाए हैं, जिसमें से 96,543 कनेक्शन घरेलू हैं तथा 2,718 कनेक्शन घरों के बाहर हैं, जबकि 354 कनेक्शन सरकारी इमारतों में हैं। इस प्रकार जल आपूर्ति कनेक्शनों में जनसंख्या का दायरा (वर्ष 2001) नगर की कुल आबादी का करीब 40% है।

स्लम इलाकों में जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत सार्वजनिक हैंड पंप है। पूरे स्लम क्षेत्र में ऐसे 392 हैंड पंप हैं और प्रत्येक हैंड पंप से करीब 480 व्यक्ति पानी भरते हैं। इस प्रकार जनता की पानी के लिए सार्वजनिक हैंड पंपों पर निर्भरता बहुत अधिक है।

टिप्पणी 9 : कुछ और विशिष्ट सूचना तथा स्पष्टीकरण अपेक्षित हैं।

- 9.i. जल आपूर्ति खंड में भूतल स्रोतों से पानी निकासी की निम्नलिखित मात्रा दी गई हैं:-
- ए. सिरुवनी से 70 मि.ली. दैनिक तथा पिल्लूर से 87 मि.ली. दैनिक पानी की प्राप्ति (पैरा 119)
 - बी. सिरुवनी स्कीम से प्राप्त पानी में निगम का हिस्सा अनुमानतः 87 मि.ली.दैनिक (पैरा 120)
 - सी. पिल्लूर स्कीम से प्राप्त पानी में निगम का हिस्सा अनुमानतः 87 मि.ली.दैनिक (पैरा 121)
 - डी. पृष्ठ 44 पर तालिका 5.1 में आंकड़े भिन्न हैं यथा
 - सिरुवनी स्कीम से पानी की निकासी 87 मि.ली. दैनिक
 - पिल्लूर स्कीम से पानी की निकासी 65 मि.ली. दैनिकइन आंकड़ों का स्पष्टीकरण किया जाए और उन्हें सही किया जाए।

नगर का उत्तर:

पानी की निकासी सिरुवनी से 87 मि.ली. दैनिक और पिल्लूर से 65 मि.ली. दैनिक है। सिरुवनी स्कीम से पानी की निकासी में निगम का हिस्सा 87 मि.ली. दैनिक है। पिल्लूर स्कीम से पानी की निकासी में नगर का हिस्सा करीब 65 मि.ली. दैनिक है।

9.ii अपजल शोधन क्षमता नहीं दी गई है। अपजल के पुनरावर्तन व पुनःप्रयोग की सूचना नहीं दी गई है।

नगर का उत्तर:

समूचे निगम क्षेत्र में भूमिगत पानी निकासी की अनुमानित लागत 168.28 करोड़ रु. है। अपजल के शोधन संयंत्र की क्षमता 217.22 मि.ली. दैनिक (डिजाइन अवधि 2037 हेतु)।

9.iii बरसाती पानी की निकासी तथा जलाशय के उद्धार खंड में तालिका 5.14 में प्राकृतिक नालों की लम्बाई 48.82 कि.मी. दिखाई गई है जबकि तालिका 5.15 में नालों की लम्बाई 44.82 कि.मी. दिया गया है। इसे सही किया जाए।

नगर का उत्तर:

नगर में प्राकृतिक नालों की कुल लम्बाई 44.82 कि.मी. है।

9.iv शहर में रोजाना 565 मी. टन कचरा पैदा होता है और 564 मी. टन कचरा उठाया जाता है, इस प्रकार कार्य की दक्षता 99.8% बैठती है। पृष्ठ 59 की तालिका 5.18 में कचरा उठाने की दक्षता 80% दिखाई गई है और यही दक्षता पृष्ठ 62 की तालिका 5.23 पर 120% दी गई है। इस बारे में सही स्थिति बताई जाए।

नगर का उत्तर:

निगम की कचरा संग्रह की दक्षता लगभग 91% (564 टन दैनिक) है इसकी गणना कचरा के प्रारंभिक संग्रह में लगे वाहनों के आधार पर की गई है, जिनके द्वारा प्राथमिक डलाव घर से निपटान स्थल तक कचरा ढोया जाता है।

9.v रोड एण्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट खण्ड में पैरा 170 में शहर का नाम दो जगह मद्दुरै लिखा है यह स्पष्ट किया जाए कि इस पैरा में जो समस्याएँ बताई हैं मद्दुरै के बारे में है या कोयम्बतूर के बारे में हैं।

नगर का उत्तर:

पैरा 170 में उल्लिखित समस्याएँ कोयम्बतूर के बारे में हैं।

टिप्पणी 10 : अन्य समान संगठनों यथा तमिलनाडु वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड तथा तमिलनाडु स्लम क्लीयरेंस बोर्ड की वित्तीय स्थिति का भी इस अध्याय में विश्लेषण किया जा सकता था।

नगर का उत्तर:

तमिलनाडु वॉटर सप्लाई व ड्रेनेज बोर्ड निगम को थोक में जल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार है, जबकि जल वितरण नेटवर्क का संचालन और अनुसंधान तथा जल प्रभारों की वसूली नगर निगम की जिम्मेदारी है। सेवा प्रदायगी में इस बोर्ड की सीमित भूमिका को देखते हुए उसकी वित्तीय स्थिति का विश्लेषण नहीं किया गया है।

तमिलनाडु स्लम क्लीयरेंस बोर्ड निम्नलिखित के लिए जिम्मेवार है:-

- स्लम बस्तियों में आधार ढांचे की व्यवस्था
- धने आबाद शहरी इलाकों से स्लमों को हटाना तथा उनके लिए एक कमरे के पक्के मकान बनाना, और
- पुनर्वास तथा पुनर्बसाव कार्यक्रम के अन्तर्गत एक कमरे के मकान बनाना।

नगर निगम स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार स्कीमों के अंतर्गत स्लम इलाकों में गरीबी उपशमन कार्यक्रम चलाने तथा वहाँ आधार सुविधाएँ जुटाने के लिए जिम्मेवार है।

राष्ट्रीय शहरी कायाकल्प अभियान(नुर्म) के अन्तर्गत राशि केवल शहरी स्थानीय निकाय वर्तमान प्रसंग को कोयम्बतूर नगर निगम को सुलभ की जाती है। नगर निगम की वित्तीय और प्रचालन योजना निगम के अतीत के वित्त के आकलन के आधार पर तैयार की जाती है तथा इसमें और अधिक परियोजनाओं की स्थिति में सुधार के लिए निगम स्तर पर प्रस्तावित सुधारों को भी ध्यान में रखा जाता है।

इस प्रकार किसी अन्य संगठन की वित्तीय स्थिति के बारे में अध्ययन करना मायने नहीं रखता।

टिप्पणी 11 : गरीबी रेखा से नीचे की आबादी व स्लम आबादी में परिवर्तन का भी इस अध्याय में उल्लेख किया जाना चाहिए था व उनका विश्लेषण किया जाना चाहिए था।

नगर का उत्तर:

स्लम आबादी वर्ष 2003 में 3,42,694 थी जो वर्ष 2006 में बढ़कर 3,52,219 हो गई। जाहिर है कि पिछले तीन वर्षों में स्लम आबादी की वृद्धि काफी कम थी जो करीब 1% वार्षिक के आस-पास ठहरती है। गरीबी रेखा से नीचे स्लम की आबादी नीचे की तालिका 4 में है।

तालिका: गरीबी रेखा से नीचे की स्लम आबादी

वर्ष	गरीबी रेखा से नीचे की स्लम आबादी (सं.)
2002	2,20,970
2003	3,42,694
2005	3,52,219

नोट: * प्रायोजित आबादी

टिप्पणी 12 : नगर के लिये भावी संकल्पना का इस अध्याय के पहले पैरा में ही उल्लेख किया जाना चाहिए।

नगर का उत्तर :

कारपोरेट प्लान के मूल सर्जक घटक ऐसे तत्व हैं जो नगर की समृद्धि, सार्वजनिक उपयोगिता, शहरी पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक विकास, भू उपयोग, परिवहन, म्यूनिसिपल संसाधन, शहरी शासन और पूंजी सुविधाओं के सम्पोषण के लिए आवश्यक हैं। योजना में दिए गए विचार स्थानीय निकाय के पदाधिकारियों, परिषद् स्टाफ और निर्वाचित पदाधिकारियों, जनहितकारी समूहों, परियोजना के हितबद्ध पक्षों और स्थानीय नागरिकों के बीच परामर्शी प्रक्रिया की मार्फत तैयार किए गए थे।

योजना प्रक्रिया के प्रारंभ से ही नागरिकों के बीच संवाद में समुदाय को कुशल और किफायती सेवा प्रदायगी के संदर्भ में भविष्य के निरूपण पर ध्यान दिया गया है ताकि एक सुव्यवस्थित विकास और समृद्धि के ताने बाने में आर्थिक प्रगति के अनुकूल सतत् शहरी पर्यावरण स्रजन संभव हो सके। नीति निर्देशों और प्राथमिकताओं के अनुतोलन के बीच जहाँ तक चयन की बात है तो वह चयन सार्वजनिक रूप से व्यक्त मूल्यमानों के आधार पर किया गया है।

परिषद् की विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों नागरिक हितैषी समूहों तथा शहर के प्रबुद्ध लोगों के साथ बातचीत और चर्चा से मूल्यमानों का एक आसान सेट सामने आया है। प्रमुख मूल्यमान हैं:-

1. नगर पर्यावरण व्यवस्था
 - ए) जल आपूर्ति
 - बी) सीवरेज व सफाई
 - सी) कचरा निपटान
 - डी) बरसाती पानी के नाले
 - ई) सड़कें, यातायात व परिवहन
 - एफ) गरीबों के लिए शहरी सेवाएं (स्लम उन्नयन)

टिप्पणी 13: "सड़क सेक्टर" के लिए कार्यनीतियों और अवधि नहीं दी गई है।

नगर का उत्तर :

सड़क ढांचा योजना/नीति

शहर के कुल क्षेत्रफल में से 6% में सड़कें हैं जिनकी कुल लम्बाई करीब 6035 कि.मी. है। इनमें से 94.6% सड़कें शहर की सीमाओं के अंदर हैं। तदनुसार अब यह नीति बनाई जानी है कि शहर की 100% सड़कें, जिनमें सड़कों का उन्नयन भी शामिल है शहर की सीमा के अंतर्गत ही हों।

सड़कों के अन्तर्गत वर्तमान क्षेत्र (6%) योजनाबद्ध औसत 10-15% से कम है। यह सड़क दायरा वर्ष 2026 तक न्यूनतम 15 कि.मी./वर्ग कि.मी. बढ़ाना होगा। सड़क योजना में यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सड़कों और पार्किंग तथा ट्रेफिक आधार ढांचा प्रावधान शहर की निजी और सरकारी परिवहन की वर्तमान और भावी जरूरतों के अनुरूप हो।

सड़क परिसंपत्ति सुधार

इस बाबत बनी योजना के अंतर्गत कच्ची सड़कों को बिटूमिन सड़कों में तबदील करना है।

सड़कों को चौड़ा करना

सड़क चौड़ा करने की परियोजना सड़कों के अन्तर्गत समाहित जमीनी क्षेत्र में एक सीमा तक ही विस्तार पा सकती है, लेकिन वह कतिपय वाणिज्यिक मार्गों तक ही सीमित होगा। सड़कों के बारे में नीतियाँ और अवधि नीचे की तालिका में है।

तालिका: कार्यनीतियां व अवधि-सड़कें

1.	सड़कों को बिटूमिन सड़कें बनाना	
	वर्ष	राशि लाख रु.
	2006	- 740.60
	2007	- 741.60
	2008	- 371.80
	2009	- 371.80
	2010	- 371.80
2.	नई सड़कों का निर्माण	
	वर्ष	राशि लाख रु.
	2006	- 165.90
	2007	- 1455.20
	2008	- 1475.00
	2009	- 1475.00
	2010	- 1475.00
	2011	- 1289.30

टिप्पणी 14 : कुछ विसंगतियां हैं, जिनका सुधार जरूरी है।

14 i. सीवरेज नेटवर्क में समाहित आबादी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि (पैरा 289, पृष्ठ 101 के अनुसार यह संख्या 54% है जबकि पृष्ठ 52 पर 58% है)

नगर का उत्तर

कोयम्बतूर शहर में सीवरेज व्यवस्था 1954 में कायम हुई थी। सीवरेज नेटवर्क में समाहित क्षेत्र 23.10 वर्ग किलोमीटर है जो मुख्यतः शहर के कोर क्षेत्रों में है। वस्तुतः कुल निगम क्षेत्र का केवल 21.8% क्षेत्र ही सीवरेज नेटवर्क के अन्तर्गत है।

सीवरेज नेटवर्क की कुल लम्बाई 162 कि.मी. है जो कुल सड़क लम्बाई का केवल 25% है। सीवरेज प्रणाली में समाहित परिवारों की संख्या केवल 29,017 है, जो कुल आबादी के 15% के बराबर है।

14 ii. शहर में उत्पादित कुल सीवरेज वर्ष 2021 में 173 मि.लीटर दैनिक बताया गया है (पैरा 291, पृष्ठ 101) जबकि वर्ष 2026 के लिए सीवेज क्षमता 175 मि.ली. दैनिक दी गई है। इससे यह जाहिर नहीं होता कि उपर्युक्त 5 वर्षों के दौरान क्या केवल सीवेज उत्पादन में केवल 2 मि.लीटर दैनिक की ही वृद्धि होगी।

नगर का उत्तर

वर्ष-वार सीवेज उत्पादन के आंकड़े नीचे तालिका 6 में दिए गए हैं:-

तालिका: सीवेज (अपजल) उत्पादन अनुमान

वर्ष	जनसंख्या (व्यक्ति)	सीवेज उत्पादन (मि.ली. दैनिक)
2001	930,882	100.54
2006	1,009,677	109.05
2007	1,026,219	110.83
2011	1,091,759	117.91
2016	1,182,341	127.69
2021	1,288,387	139.15
2022	1,309,495	141.43
2026	1,397,442	150.92
2031	1,515,731	163.70
2036	1,644,032	177.56
2037	1,670,967	180.46

सीवेज़ उत्पादन की गणना 135 लीटर प्रति व्यक्ति दैनिक जल आपूर्ति तथा कुल आपूर्ति में से 80% पानी की बर्बादी के आधार पर की गई है। अतः सीवेज़ उत्पादन वर्ष 2021 के लिए, 139.15 मि.लीटर दैनिक बनता है।

14 iii सड़कों के अन्तर्गत दर्शाया गया क्षेत्र 7% (पैरा 353, पृष्ठ 116) है, जबकि उसी पेज पर पैरा 355 में यह संख्या 6% दी गई है तथा पृष्ठ 64 के पैरा 169 में 9% दी गई है। इसे स्पष्ट/सही किया जाए।

नगर का उत्तर :

सड़कों के अन्तर्गत कुल क्षेत्र 6% है।

टिप्पणी 15 : तालिका 8.26 में स्लम परिवारों के लिए नेटवर्क कवरेज़ किस सेवा के लिए है।

नगर का उत्तर :

यह नेटवर्क कवरेज़ जल आपूर्ति सेवा के बारे में है।

टिप्पणी 16 : स्लम परिवारों के लिए जल आपूर्ति नेटवर्क कवरेज़ वर्ष 2011 के लिए 90%, 2016 के लिए 100% (तालिका 8.26, पृष्ठ 125) दिया गया है, जबकि इसी बाबत जल आपूर्ति लक्ष्य और सेवा परिणाम के अन्तर्गत यह संख्या क्रमशः 70% और 85% दी गई है (तालिका 8.1, पृष्ठ 98)। इसे स्पष्ट किया जाए।

नगर का उत्तर :

जल आपूर्ति नेटवर्क का स्लम परिवारों के लिए दायरा वर्ष 2011 में 90%, 2016 में 95% तथा 2026 में 100% है।

टिप्पणी 17 : स्लम परिवारों के लिए भूमिगत गंदे पानी की निकासी का कवरेज़ वर्ष 2000 में 90% दिया गया है (तालिका 8.26 पृष्ठ 125), जबकि " सीवेरेज़ के लक्ष्य और सेवा परिणामों " की तालिका में यह संख्या 60% दिखाई गई है (तालिका संख्या 8.5 पृष्ठ 101)। इसे स्पष्ट किया जाए।

नगर का उत्तर :

स्लम परिवारों के लिए भूमिगत गंदे पानी की निकासी का कवरेज़ वर्ष 2011 में 60%, 2016 में 100% तथा 2026 में 100% है।

टिप्पणी 18 : कुछ विसंगतियां पाई गई हैं जो इस प्रकार हैं:-

- i. "सीवेरेज़ के लिए प्रोजेक्ट की तालिका 8.32 (पेज 130) कुल योग 19.364.23 लाख रुपये दिया गया है जबकि यह जोड़ 19,357 लाख रुपये आता है इसे सही किया जाए।

नगर का उत्तर :

सीवरेज प्रोजेक्ट के लिए कुल अनुमानित निवेश राशि 19,370 लाख रुपये है।

- ii. सड़क विस्तार परियोजनाओं की तालिका 8.36(पृष्ठ 133) में उपजोड़ 8074.75 लाख रुपये दिया गया है, जबकि संख्याओं का जोड़ 7335.2 लाख रुपये आता है। इसे सही किया जाए।

नगर का उत्तर :

कुल अनुमानित निवेश राशि 7335.2 लाख ही है।

- iii. यातायात और परिवहन योजनाओं की तालिका 8.37 (पृष्ठ 133-135) में सकल जोड़ 2,07,300 लाख रुपये दिया गया है जबकि इन संख्याओं का जोड़ 207,100 लाख रुपये आता है इसे सही किया जाए।

नगर का उत्तर :

इस तालिका की कुल निवेश राशि 2,23,111.9 लाख रुपये है।

- iv. पथ प्रकाश परियोजना की लागत की तालिका 8.38 (पेज 136) में जोड़ 2230.02 लाख रुपये दिया गया है जबकि यह जोड़ 2231 लाख रुपये आता है इसे सही किया जाए।

नगर का उत्तर :

रिपोर्ट में हाई मास्ट लैंप की लागत में कुछ संशोधन है। यह 102.7 लाख रुपये की बजाय 103.7 लाख रुपये है अतः जोड़ 2230.02 लाख रुपये सही है।

टिप्पणी 19 : सड़क और परिवहन तथा यातायात की तालिका 9.3 (पृष्ठ 140-141) में वर्ष 2006 के लिए जोड़ 22745.2 लाख रुपये दिखाया गया है जबकि यह जोड़ 23651.8 लाख रुपये आता है। यही स्थिति अन्य वर्षों के बारे में भी है। इन्हें सही किया जाए।

नगर का उत्तर :

इस शीर्ष के अन्तर्गत सही आंकड़े नीचे की तालिका 7 में हैं।

तालिका: सड़क परिवहन और यातायात हेतु निवेश क्रम।

वर्ष	कुल राशि लाख रुपये
2006	24,792.10
2007	46,481.40
2008	51,081.40
2009	44,414.70

2010	28,942.90
2011	20,257.20
2012	7,142.90

टिप्पणी 20 : कचरा निपटान व्यवस्था के निवेश क्रम की तालिका 9.5 (पृष्ठ 142,143) वर्ष 2007 के लिए जोड़ 4632.7 लाख रुपये दिया गया है, जबकि यह जोड़ 4632.8 लाख रुपये आता है इसी प्रकार वर्ष 2000 का जोड़ 358.3 रुपये दिया गया है और कोई आंकड़े नहीं दिए गए हैं इसे सही किया जाए।

नगर का उत्तर

इस शीर्ष के लिए सही आंकड़े नीचे की तालिका 8 में दिए गए हैं।

तालिका: कचरा निपटान व्यवस्था हेतु निवेश क्रम।

वर्ष	कुल राशि लाख रु.
2006	501.16
2007	4,775.56
2008	1,579.06
2009	430.56
2010	262.96
2011	252.96
2012	142.86

टिप्पणी 20वीं - स्लम इन्फ्रास्ट्रक्चर हेतु निवेश क्रम की तालिका 9.7 (पृष्ठ 144) में परियोजना घटक का जोड़ 12,632.7 लाख रु0 दिया है, जबकि निगम की देनदारी में यह जोड़ 12186.6 लाख रु0 दिया है। इसे सही करें।

नगर का उत्तर :

स्लम इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुधार हेतु 40336.5 लाख रु0 के निवेश का प्रस्ताव है। स्लम की देनदारी 12,186.60 लाख रु0 होगी तथा 28,149.90 लाख रु0 के आवास घटक की देनदारी तमिलनाडु स्लम सुधार बोर्ड या अन्य समान एजेंसी की होगी।

‘स्लम इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश क्रम’ के सही आंकड़े तालिका 9 में हैं।

तालिका: स्लम इन्फ्रास्ट्रक्चर हेतु पूंजी निवेश का क्रम

जल आपूर्ति	लागत (लाख रु० में)
वर्ष 2006	63.7
वर्ष 2007	63.7
वर्ष 2008	63.7
वर्ष 2009	63.7
वर्ष 2010	63.7
वर्ष 2011	63.7
वर्ष 2012	63.7

सड़क	
वर्ष 2006	999.0
वर्ष 2007	999.0
वर्ष 2008	999.0
वर्ष 2009	999.0
वर्ष 2010	999.0
वर्ष 2011	999.0
वर्ष 2012	999.0

सफाई	
वर्ष 2006	250.90
वर्ष 2007	250.90
वर्ष 2008	250.90
वर्ष 2009	250.90
वर्ष 2010	250.90
वर्ष 2011	-
वर्ष 2012	-

बरसाती पानी की निकासी	
वर्ष 2006	275.80
वर्ष 2007	275.80
वर्ष 2008	275.80
वर्ष 2009	275.80
वर्ष 2010	275.80
वर्ष 2011	275.80
वर्ष 2012	275.80

कचरा निपटान व्यवस्था	
वर्ष 2006	39.30
वर्ष 2007	39.30

वर्ष 2008	39.30
वर्ष 2009	39.30
वर्ष 2010	-
वर्ष 2011	-
वर्ष 2012	-

पथ प्रकाश

वर्ष 2006	200.80
वर्ष 2007	200.80
वर्ष 2008	200.80
वर्ष 2009	200.80
वर्ष 2010	200.80
वर्ष 2011	200.80
वर्ष 2012	200.80

आवास - तमिलनाडु एस सी बी

वर्ष 2006	4021.40
वर्ष 2007	4021.40
वर्ष 2008	4021.40
वर्ष 2009	4021.40
वर्ष 2010	4021.40
वर्ष 2011	4021.40
वर्ष 2012	4021.40

टिप्पणी 21 : उपर्युक्त संशोधनों के आधार पर, घटक-वार क्रम की तालिका 9.9 (पृष्ठ 145) में भी संशोधन किया जाए।

नगर का उत्तर:

इस शीर्ष के सही आंकड़े नीचे की तालिका 10 में हैं।

तालिका: घटक-वार निवेश।

निगम का निवेश

क्र.सं.	सेक्टर	पूंजी व्यय (लाख ₹0)
1.	जल आपूर्ति	7,637.1
2.	सीवरेज व सफाई	19,370.0
3.	सड़क	9,561.9
4.	यातायात व परिवहन	69,950.0
5.	बरसाती पानी निकासी प्रा. नालों की गाद निकालना व जलाशयों को दुरुस्त करना	15,575.06
6.	कचरा निपटान	7,874.3
7.	पथ प्रकाश	2,230.0
8.	स्लम उन्नयन	12,186.6
9.	अन्य	2,529.6
उप जोड़ (निगम निवेश)		146,914.5

गैर निगम इन्फ्रास्ट्रक्चर

क्र.सं.	सेक्टर	पूंजी व्यय (लाख ₹0)
1.	यातायात व्यवस्था - राष्ट्रीय व राजकीय राजमार्ग	143,600.0
2.	आवास - तमिलनाडु स्लम सुधार बोर्ड	28,149.9
	उपजोड़ (अन्य एजेंसी निवेश)	1,71,749.9
सकल जोड़		3,18,664.5

टिप्पणी 22: तालिका 9.12 में वसूली में गिरावट 100% से घटकर (बेस केस परिदृश्य) 90% (निवेक केस परिदृश्य) दिखाई गई है। इसका स्पष्टीकरण दिया जाए।

नगर का उत्तर:

कार्य आकलन के समय, सीवरेज प्रभार उगाही के अंतर्गत 100% रुझान पाया गया था। अतः बेस केस परिदृश्य में (डू नथिंग/नो प्रोजेक्ट्स) में उसे दिखाया गया है। लेकिन निवेश परिदृश्य में वसूली अभियान/सुधार एजेंडा प्रवर्तन को अधिक यथार्थ मान्यता, उगाही दक्षता 90% मानी गई है।

सी.डी.पी. नेहरू शहरी कायाकल्प अभियान टूल-किट2 में निहित दिशा निर्देशों के अनुसार है।